८ समावेशीकरणको दिशामा एउटा फड्को : गोरखापत्रद्वारा प्रकाशित दनुवार भाषा पृष्ठ

२०६७ असार २२ गते मंगलबार

नयाँ नेपाल

गोरखापत्र

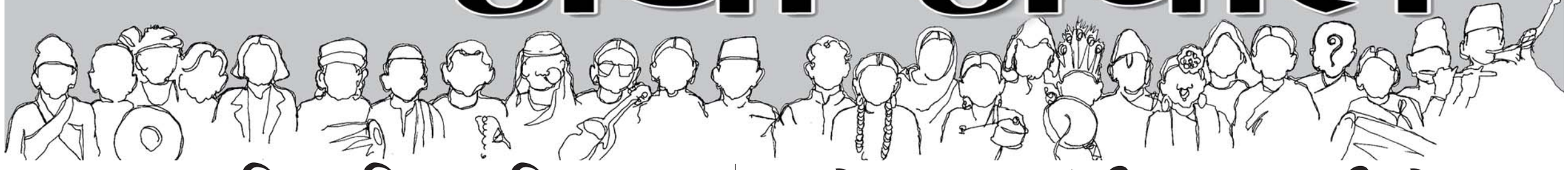

बहुभाषिक शिक्षा किर

जितेन्द्रसिंह दनुवार

नेपाल चार वर्ण छत्तिस जातक फूलबारी सियो कहिक पृथ्वीनारायण शाह उदगार नेपालीसबक लोकप्रिय कहाइयोस राष्ट्रिय उखाने बनिसकल छो। इ एकगो असली बात सियो तयो एकर सङ्ही राष्ट्रियका एकगो बडकी दायित्व थपि देल छो। इ फूलबारी तब मतिन सुन्दर स्वस्थ्य ठनाइतो जब छत्तिस जातेक फूलसबले सम्मान स्याहार सुसार पाइतो। आजु आदिवासी समुदायक बेसिजकिन विद्यार्थीसब एकगो अनिश्चित्ताम विद्यालय गइरहल देखब आ अभिभावकसबो पढल पछा त कथियो हेतो नि कहिक अन्यौल पूर्ण मनसिकता बोकिक श्रम आ शक्ति खर्च कइरहल पाइब। बेसिजकिन अभिभावकक आ विद्यार्थीक नियती यहने पाइब। तीन चार वर्ष पेहेने कथियो सचेत वर्गले मतिन बचाबुचिका स्कुल पठाबोक आ ओइमो एस.एल.सी पास करलाहार सिका अङरमी गनसकब। बेसिजकिन विद्यार्थीसब कक्षा आठ नाइपुगती पढाइ छोडछो। तयो कथियो वर्ष यनी स्थितीम सुधार एलो तयो विचेम पढाइ छोडलाहार प्रावृतिम सुधार आब नाइसकल छो। यनाके शिक्षा पखा उदासिन हबक कारणसब अज्ञानता गरिबी, अवसरक कमि आदि कहछो तयो आदिवासीक हकम दस्रो कठीनाइ आ महत्वपूर्ण कारण भाषिक कठिनाइले कर्त विद्यार्थीसब शान्त, अन्तमुखी सुस्त देखाहबछो आ एकर उनटा नेपाली मातृभाषी विद्यार्थीसब आपन तुरीयाक आदिवासी विद्यार्थीस कक्षाम तुलनात्मक रुपम उच्च मनोबलक, फुर्तिलो, सहभागिता देखाइलाहरा खालक देखाहबछो।

बहुभाषिक शिक्षा सरकारी पाठयक्रमले विद्यार्थीसबम देख चाहल सिप आ दक्षता मातृभाषाक माध्यमस हासील करलाहार शिक्षण प्रणली सियो। इ अन्तर्गत विद्यार्थीसबले योजनाबद्ध ढङ्ग स एक परिचित भाषास दस्रो भाषा सिक्ती जाइछो। बहुमाषिक शिक्षा एकगो नाम एकगो नया प्रयोग सियो। नेपालक वर्तमान तरल आ सुधारोन्मुख शिक्षा नितिले आलल काम चलाउ परिणीतीक असली उपचार बहुभाषिक शिक्षा सियो। कहिक कह मिलिहाल्लार स्थिति नाइछो तयो एकगो असली विकल्प चाही सियो। अरु सभेका शिक्षा

अन्तर्गत मातृभाषाम प्राथमिक शिक्षा देलाहार किहक राष्ट्रले लेल उदार नितिले पिडित समुदायका हौसला मिल्ल छो। यइले कमसेकम आदिवासी जनजातिका आसा आ अवसर देल छो। नेपाली शिक्षाविद्ध, वुद्धिजीविसबस बहुभाषिक शिक्षाका लागु कराइम थप उर्जा थपल छो। यहन सकारात्मक उदगारसब भइरह पर्छो। तयो कथियो शिक्षा विद्धसबस बेला बेलाम बहुभाषिक शिक्षाक परिभषा आ व्याख्यले ओकरसिका ओतेक उदार भेल नाइदेखाहबछो।

सरकारी स्कुलस नीजी विद्यालय पखाक बढती अस्वाभाविक आकर्षण रहल वर्तमान सिथितिम बहुभाषिक शिक्षा सफल पार बहुत कसरत पर्तो देखाहबछो। सरकारी विद्यालयक खस्कती गेल पढाइक गुणस्तर राष्ट्रियक लागि बडकी चुनौति बनलछो। यकर कारणसब बहुत हब सक्तो। तयो यकर समयम उपचार आ गुणस्तरम सुधार आ परिमार्जन नाइहेतो त आबक कथियो दबह भित्रिम सरकारी विद्यालयसब जागिर खेलाहरा थलो मतिन रहलाहार बातम ककरो दुइमत नाइरहतो। मातृभाषास नेपाली पखा आ नेपाली भाषास अंग्रेजी भाषा पखाक मानहुकक रुचीले बहुभाषिक विद्यालयसबका चुनौती देतो। यहन विद्यालयसबम आपन बचाबुचिका पढाब अभिभावकसब सुरुम पढाब तयार नाइहबुहु सक्तो। यकर लागि शिक्षाम मातृभाषाक वैज्ञानिक महत्व आ सम्भावनाक बारेम जनचेतना जगाब परलाहार बहसक्तो। ओनाहीके कहल जकिन असली जनशक्ति नाइपाबहु बहुभाषिक शिक्षाक दस्रो चुनौति हबसक्तो। योजनाकार आ सञ्चालकसबस नियमित अनुगमन आ बैज्ञानिक पाठ योजना, उपयोगी संस्कृतिक सन्दर्भ सामग्री तयार कर कक्षा व्यवस्थापन आ स्थानिय साधानस दिगो रुपम इ बहुभाषिक शिक्षाक संचालन करओ अक्रो व्यवस्थाकिय चुनौति बन सक्तो।

राष्ट्रिय आ अन्तराष्ट्रिय शिक्षाविद्ध आ सोधकर्तासबक मौखिक कहआइस कार्यन्वयन कर्तासबका बडकी हौसला मिल्ल छो। तयो यइस बडकी बात कथिसियो भने बहुभाषिक आ बहुसास्कृतिक राष्ट्र नेपालम बहुभाषिक शिक्षा कार्यक्रमका राष्ट्रिय आन्दोलनका रुपम अगाबढाब पर्तो। यकर लागि राष्ट्रिय ढुकुटीक प्रशस्त लगानी चाहलाहार हबछो। इ बहुभाषिक विद्यालयसबक लागि शिक्षक दरबनदी व्यवस्था राज्यस करपर्तो। तब मतिन बहुभाषिक शिक्षाले स्थायित्व पाइतो। ■

नेपालम संघीयता चाहीतो

हिरण अधिकारी दनुवार

संघीय लोकतान्त्रि गणतन्त्र नेपाल सभेक आशा आ विश्वास नया नेपाल सियो। संघीय नेपालक औचित्य जातिय, भाषिक, धार्मिक आ सस्कृतिक आ क्षेत्रगत अवस्थाले परिभाषित करल विविधता अनुरुपक परिपाटी निर्माणले मतिन पृष्टी कर्छो। विगतम संघीयता आवश्यक तो या नाइछो कहलाहार विषय विचारधारा हिसाबस साम्यवादी आ प्रजातानित्र दनुहु दलसब सोच बिचारक मुद्दा बन नाइसकलो। बरु राजनितिक दलसबले आर्थिक आ वर्गीय समानताक आ नागरिक अधिकार आ प्रजातन्त्र प्राप्तिक लागि लडलाहार अभिष्ट बोकिरहलको। तयो समाजिक बस्तु परिस्थितिक माग बमोजिम राज्यव्यवस्था तर्जुमा कर परलाहार राजनीतिक सोचक आवश्यकताले दोस्रो आन्दोलनले गति लेलको। पछला समयम समाजिक समावेशीता, राज्य, पुनःसंरचना हबती संघीय राज्यप्रणाली राज्यले अवलम्बन करपरलाहार अपरिहार्यता मुलुक आइपुगलो।

संघीयता अवश्यक नाइछो कहिक नेपाली समाजक समाजिक विविधताका धरातालम राखिक राजनितिक रुपम डिल करपर्तो आ ओकर लागी राज्य प्रणलीम फेरबदल कर आवश्यक छओ कहलाहार विचारक अभावम व्यक्त करल आग्रह बाहेक कथियो नाइ सियो। राजनितिक रुपम संघियताक विरोध करलाहार नेपाली समाज सामाजिक विविधता व्यवस्थापन कर बहुसास्कृतिक राज्यक आवश्यकताका बोध करसकलाहार बरु कालुक समान्तिक युग आ समयम विकसित उच निचक कथित समाजिक संरचनाका राजीतिक कलेवर दिइक निहीत स्वार्थसिद्धि करलाहार वर्ग आ समुदायक रुपम लियपर्तो। विचारधारात्मक हिसाबस साम्यवादी धार बोल प्रगतिशिलताक पक्ष पोषण करलाहार कशाला दती ठाउ मतिन बनाइलाहार हेतो त साम्यवादी राजनीतिक अभिष्ट साध्य करलाहारले एक भइक आपनका सुधार कर आवश्यक छो।

संघीयताले विचारधारात्मक राजनीतिक गतिशिलताका अवरोध नाइकर्तो। न यइले साम्यवादी। प्रजातन्त्रबादी ककराहु निषेध कर्छो। बरु इ प्रणाली सभे खालक विचार धारा बोकल दलसबका बेसी मानहुक पखा उत्तरदायी बन मदत कर्तो।

आमजनताम प्रतिवद्धता व्यक्त करलाहार दलसबक संविधानसभा चुनावी घोषणापत्र अध्ययन करबत अखन संविधान सभाक प्रतिनिधित्व करलाहार बाइस मध्ये माओवादी सहित ११ दलले संघयताक आधार जाति सहित आधारसब प्राथमिकताक साथ प्रस्ताव करल रहोक। संविधानसभा राज्य पुनः संरचनना आ राज्य शक्ति बाडफाड समितिम दलसबले संघीयताक आधार पहिचान, सामार्थ्य, भौगोलिक निरन्तर आ प्रशासनिक सुगमता जकनि आधारसब सर्वसम्मत निर्णय कर पुगलो। आहे सैद्धान्तिक आधारम उठिक संघिय नेपाल नक्सा रोखाङ्कन कर्त चौध प्रदेश सब तय भेलो, जइम नौगो जातिय पहिचान, चारगो प्रादेशिक आ एकगो जातिय भाषिक आ क्षेत्रिय आधारम प्रस्ताव करलाको। इ इकासब निश्चय हि सन् २००१ अक राष्ट्रिय जनगणनाले देखाइल नेपालक कुल आवादी जात जाति भाषा आधारम गामस्तरम केनाके बखरा भेल छो कहिक भरपरलाहार तथाङ्कक आधारम भेल छो। इ विशलेषण बहुत कारणस उन्नत आ भरपर्दो विधि सियो।

संविधान सभा नेपाली मानहुकक वारिस पाइल संगठन सियो। तयो पुरा रुपम नेपाली जनता चाही नाइसियो। ओहेकारण ओइले करल सभे बात सब मानहुक सामु लगाब पर्तो। एमाओवादीले जातिय आधारम संघीय इकायसब प्रस्ताव करल आधारभुत रुपम साम्यवादी सोच आ विचार राजनितिस पलायन भेल मतिन नाइभइक मुलुका जातिय द्वन्दम जाकलाहार काम भइरहलछो कहिक आरोपो सुनम आइलछो साचे आपन वर्गीय राजनितिक धारस पलायन भेल्यो कि कहिक आंशकालेओ उ द्विविधाम परसकलाहार सम्भावना प्रवल छो। अभ आपन सक्कल दर्जाक साम्यवादी भेल पुष्टि कर लेनिनक आत्मनिर्णयक अधिकारक सिद्धान्त अनुरुप जातियसबले आ-आपन भिन्ने भिन्ने राज्य बनाइ स्वतन्त्र मुलुक जेनाके बाल्टिक गणराज्यसब छुटिक बनलो। ओनाहीके नेपालम हरेक जातिले छुटलाहार तलिकक आत्मनिर्णयक अधिकार पाइलाहार विचार जनयुद्ध कलाइम सम्प्रेषण करलको। संविधान सभाक निर्वाचनम ओहेअनुसार चुनाब लडलम मानहुकसबले बडकी दलक रुपम संविधान सभाम पुगाइलको। एमाओवादी सङ्ही अरु दलक विशेषतः जनजाति पृष्ठभूमि सभासदसबले मतस राज्य पुनः संरचना समितिस बहुमतले चौध प्रदेशक ढाचा पारित करलको। यनाके संघीयताक विरोधम विचार फैलाइलाहार प्रयास भइरहल छो। संघियताकरणम विश्वासक अभाव आ जातिय आधारम संघ बनपरतखुमाक पीडास नेपालक संघीय राज्य अवस्था बनाइलाहार काम ठप्प बनल छो। यहन अवस्थाम केनके मार्गप्रशस्त कर सक्ब। इ एकगो महत्वपूर्ण प्रश्न हमसिक अगुम छो। ■

मसौदा संविधान रहल मुख्य वातसब

बचपाइलार हक, स्वतन्त्रता आ सम्पत्तिक हक, मसौदा संविधानले समान रुपम बच पाइलाहार हक लगायक स्वतन्त्रता सब उल्लेख करलछो। ओहन स्वतन्त्रतासब विचार आ अभिव्यक्तिक स्वन्तत्रता, शान्ति पूर्वक जमा हबक पाइलाहार स्वतन्त्रता, संघ संस्था खोल पाइलाहार स्वतन्त्रता, राजनैतिक दल खोल पाइलाहार स्वतन्त्रता, नेपाल कुनुहु भागम एलार गेलार कर आ रहपाइलाहार स्वतन्त्रताक सब उल्लेख करलछो।

पैसा रोजगार, उद्योग आ व्यापार कर पाइलाहार स्वतन्त्रता उपरीम उल्लेख करल स्वतन्त्रता सबक उपरीम निम्न आधारम मानिसक बन्देज लगाब सकलाहार व्यवस्था छो। नेपालक राष्ट्रिय, सर्वभौमसता इ अखण्डता उपरम आच पुगाइलाहार कार्य आ संघीय एकाइसबक विचक निमन सम्बन्ध आच पुगाइलाहार कार्य आ बहुत जात, जातिक धर्म आ सम्पदायकसबक विचक सुसम्बन्धम खालल परलाहार कार्य आ गार बेजेत आ अदालतक अवहेलना भेलाहार कार्य आ अपराध कर्लाहार उक्साइलाहार कार्य आ सार्वजानिक सदाचार आ नैतिकताक प्रतिकुल भेलाहार काम एकर अतिरिकत राजनैतिक दलसब खोललाहार स्वन्त्रता उपरम देहायक अवस्था मानसिक विरुद्ध जासुसी काम करबता आ राष्ट्रिय गोपनीयता भङ्ग करबत आ नेपालक बाहिरक सुरक्षम खतार पुगाइलाहार देशद्रोह कर्बत कुनुहु निश्चित जात, भाषा आ धर्म सम्प्रदास आदि लिङक लागि सदस्यता निअ बन्देज लगाइतोत मसौदाले शोषण विरुद्धक हक आ उल्लेख करल छो आ मानव वेचविखन दास आ बाधा बनाइतोत आ बलपुरर्वक कामम लगाब नाइपाइलाहार व्यवस्था छो। आमसञ्चारसँग सम्बन्धित हकका बचाबक लागि मसौदाले श्रव्य-दव्य समाग्री लगायत कुनहुओ समाचार लेख आ लेखक सेनसर कर ओ नाइपाइलाहार व्यवस्था छो। आमसञ्चार माध्यम आ सञ्चारक कुनहुओ माध्यमम कुनहुओ प्रकारक बनह, जफत आ ओकरसिक दर्ता खारेजी नाइभेलाहार बात समेत मसौदाम उल्लेख छो। सभे नागरीकले गोपनीयता जरुरी भेल विषयसब बाहेक अरु आपना आ सर्वजानिक सरोकारक कुनहुओ विषयक सुचनाक हक रहछो। जस अन्तर्गत ओकरसिका सुचना मागलाहार आ पाइलाहार हक हबछो। व्यक्तिक मर्यादाक सम्मान आ संरक्षण करलाहार उद्देश्यले गोपनियताक हकओ मसौदाम उल्लेख करल छो।

सम्पतीक हक अन्तगर्त सम्पत्ति कमाब, भोग चलन कर बेचविखान कर हक देलछो आ सार्वजानिक हितक लागि बाहेक राज्यले व्यक्तिक सम्पत्ति लिय नाइसकलाहार वात उल्लेख छो। सङही यहन अधिग्रहण कर परलाहार अवस्थामो कानुन अनुसार राज्यले छतिपुर्ति देलाहार लेखल छो। तयो गैरकानुनी तरिकास कमाइल सम्पत्ति राज्यले विना क्षतिपुर्ति लिय सकलाहार अवस्थाका मस्यौदाले सुरक्षित राखल छो।

समानता भेदभाव नाइकरलाहार काम आ सकारात्मक विभेद

मसौदाले समानता आ भेदभाव विरोधक सिद्धान्तका आत्मसात करल छो। यकर धर्म, वर्ण, जात, लिङ्ग, योनिक अभिमुखिकरण, शारिरिक अवस्था अपागता, स्वास्थ्य स्थिति वैवाहिक स्थिति, गर्भवस्था, आर्थिक अवस्था उत्पति, भाषा आ धर्म, वैचारिक अवस्था आ यहने आधारम करलाहार मेदभावका प्रतिवन्द करल छो। मसौदाले कमजोर समुदाय, वर्गका बचाब सशक्तिकरण आ विकासक लागि वेशेष व्यवस्था कर राज्यका मार्गप्रशस्त करल छो। छुवाछुत आ जातिय भेदभाव विरुद्धक हकका सुनिश्चित कर्ति मसौदाले सभे प्रकारक छुवाछुत आ विभेदकारी अभ्यास सबका कानुन बमोजिम दण्डनीय बनाइल छो आ ओहन कामस पीडितका क्षतिपूर्तिक अधिकारओ प्रदान करल छो।

समाजिक न्याय सम्बन्धि हक अन्तर्गत जनि, दलित, मधेशी, आदिवासी जनजाति, अल्पसंख्यक, सिमान्कृत, मुस्लीम समुदायक सङही अपागता भेल मानहुक, युवा पिछडल वर्ग, किसान आ मजदुर आ उतपीडित वर्गक समानुपातीक समावेशीकरणम जोड देल छो। सिमान्कृत आ वहिष्करणम परल समुदायसबक लागि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी, खद्यान्न आ समाजिक सुरक्षा आदिम राज्यले विशेष अवसर देलाहार बात उल्लेख छो। ओनाहीके भाषा आ सास्कृतिक पहिचान संरक्षण आ विकासक अधिकार सहित आदिवासी जनजाति अल्पसंख्याक समुह मेधसी, पिछडल क्षेत्रक नागरिक अपागता भेल मनहुक, युवा आ सहिद परिवारका ओकरसिका विकास आ सशक्तिकरणम विशेष अवसर देलाहार बात उल्लेख करल छो। न्याय सम्बन्धित हक, स्वच्छ सुनवाइ आदि मसौदाम न्यायसम्बन्धि हक मुख्य रुपम फौजदारी न्यायप्रणलीम केन्द्रित छो। इ अन्तर्गत पक्राउ परक कारण आ अदालतो कार्यवाहीबारेम जानपाइलाहार हक, स्वच्छ सुनवाइक हक, कानुन व्यवसायी सङही परामर्श कर पाइलाहार आ कानुन व्यवसायी राख पाइलाहार हक, असमर्थ पक्षका सितेम कानुनी सहायता, अभियोग प्रमाणित नइभेल तलिक कसुरदार नाइमानलाहार एके कसुरम दोहोरो अभियोगस बचाबक हक लगायतक रहलछो। मसौदाले अपराध पिडितक अनुसन्धान आ कारवाही सम्बन्धि जानकारी कराइलाहार हकक सङही समाजक पूर्णस्थापना आ कानुन अनुसार क्षति पूर्तिक हक भेलाहार बात सुनिश्चित करल छो।

यातना विरुद्धक हकस, अमानवीय आ अपमानजनक व्यवहार उपरी बन्देज लगाइल छो। निवारक नजर बन्द विरोधक हक सुनिश्चित करल छो। तयो सर्वभौमसत्ता आ अखण्डता आ सार्वजानिक शान्ति आ व्यवस्थाम तात्काल विगरा करलाहार वेसी आधार भेल खण्डम चाही निवारक नजर बन्दम राखलाहार व्यवस्था छो। इ सब हनन भेल अवस्थाम पीडितका क्षतिपुर्ति व्यवस्थाओ करल छो।

आर्थिक समाजिक आ संस्कृतिक अधिकार

मसौदाले बहुत आर्थिक, समाजिक आ सास्कृतिक अधिकारका मौलिक हकक रुपम समावेशी करल छो। असली वातावरणम बच पाइलाहार हक अन्तर्गत जलवायु फेरबदलस परलाहार नकारात्मक असरस सुरक्षा आ वातावरणस प्रदुषणक पिडितले उचित क्षतिपुर्ति पाइलाहारक हक समावेश छो। शिक्षाक हक अन्तर्गत शिक्षक पहुच पुगाब आ सितेम प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक तह तलिक निशुल्क शिक्षा आ विपन्न वर्गका उच्च माध्यमिक तह तलिक सितेम शिक्षक व्यवस्था छो। भाषा आ धर्मक सम्बन्धि हक आ समुदायका ओकरसिक भाषा, सस्कृतिक, लिपी, सम्पदा, सभ्यता आदि बचाब सुनिश्चित करल छो।

खाधन्न सम्बन्धि हक, समाजिक हक, स्वास्थ्य हक उपभोगक हक, मसौदा संविधानले प्रस्ताव करल कथियो महत्वपूर्ण आर्थिक, समाजिक आ सास्कृतिक अधिकारसब छो। उपयुक्त आवसम पहुचक अधिकारले मानहुकक रहिरहल ठाउस रहल ठाउस जबजस्ती हटाब आ अतिक्रमणस बचब मदत करल छो। रोजगारी सम्बन्धि हकले नागरिकसबका वेरोजगारीक भत्ताक व्यवस्था करल छो। ओनाहीक स्वास्थ्यक हक अन्तर्गत नागरिकसबका आधारभुत आ आकासमिक सितेक स्वास्थ्य सेवा पाइलाहार व्यवस्था करल छो। स्वच्छ खाइलाहार पानी आ सरसफाइम पहुचक हक आ स्वास्थ्य सम्बन्धी हकम समावेश कइलछो। ■

संजिव दनुवार

पृष्ठ संयोजक : जितेन्द्रकुमार सिंह दनुवार
सह-संयोजकः हिरण अधिकारी दनुवार
E-mail: jitendra_danuwar@yahoo.com
पत्राचार ठेगाना :
नयाँ नेपाल, गोरखापत्र दैनिक
पो.ब.नं.२३ काठमाडौं

गित

दुकुछापक दनुवार भाषा

– गोपाल दनुवार

गेरु बस्त्रै पहिराइ देउन मामइ
मेरो गेरु बस्त्र पहिराइदेउ मामाइ
मरो कंकमाल मामाइ
मरो कंकमल माल
भारदाइ मेरा बीर्जेभारत
भान्जि चाहि बीर्जेभारत रे
जोगिया हुन मन लाग्या मामाइ
मेरो कंकाल माल मामाइ
मेरो कंकाल माल मलाइ
गेरु बस्त्र पहिराइ देउ
भान्जै मेरो बीर्जेभारत
भान्जै मरो बीर्जेभारत
जोगिया जोगि भयो उ
डाडै डाडा हिरन जोगिया
डाडै डाडा हिरन जोगिया
मालाइ मेरो बीर्जेभारत जोगिया
एके घरमा डैला भिखिया एकै मुठि पो भेग्ला
ए मोइमा जोगि करम खोटी देउ माइ भिखीया
हे दुवै घरमा मागैल भिखिया हे दुवै घरमा मागैल भिखिया
हे दुवै मुठि पो भएला
हे मैम जोगि करमै खोटी देउ माइ भिखिया
हे तिनै घर मागैल भिखिया तिनै मुठि पो भएला
है मैम जागि करमै खोटी देउ माइ भिखिया
है मैम जागि करमै खोटी देउ माइ भिखिया
चारै घरै मागैल भिखिया हे चारै मुठि पो भएला
मैम जोगि करमै खोटी देउ माइ भिखिया। हह....ह.....
पाचै घर मागैल भिखिया हे हो पाचै मुठी पो भएग्ला
हे मैम जागा करमै खोटी देउ माइ भीखिया
देउ माइ भिखिया छहै घर मागैल भिखिया
हे छहै मुठि पो भएला। हे मैम जोगि करमै खोटी देउ माइ भिखिया
हे सातै घरै भागल भिखिया हे सातै मुठि पो भएला
मैम जोगि करमै खोटी दे माइ भिखिया
हे आठै घर मागल भिखिया हे आठै मुठि पो भग्ला
हे मैम जोग करमै खोटी देउ माइ भिखिया
नवै घर मागेल भिखिया हे नवै मुठि पो भएला
हे नवै मुठि पो भेग्ला
हे मैम जोगि करमै खोटी देउ माइ भिखीया
दसै घर मागैल भिखिया हे दसै घर मागैल भिखिया
हे दशै मुठि पो भएला, मैम जोगि करमै खोटि देउ माइ भिखिया
ह....ह..... दसै मुठि पो भएला। एकै माना भो भोएला
ब्यान बेरलाइ त तरेला।

सस्ता दामम अन्तर्राष्ट्रिय कल

अमेरिका, भारत, क्यानाडा, चीन, थाइल्याण्ड, सिङ्गापुर, रु १ ।- प्रति १५ सेकेण्डक
मलेशिया, द. कोरीया, मकाउ रु.१।५० प्रति १५ सेकेण्डक

बङ्गलादेश, पाकिस्तान, इजरायल, ताइवान रु. ८ ।- । जापान, रुस, रु. १० ।- । बेलायत, अष्ट्रेलिया रु. १२ ।- प्रति मिनेटक
आब नेपाल टेलिकमते कुनुहुओ अन्तर्राष्ट्रिय कल सुबिधा भेल फोनस **Access Code** १४२४ डायल कइक सधाहु अन्तर्राष्ट्रिय कल भने सस्ता मुल्यम कर सकब।

डायल करलाहार तरिका : १४२४+कन्ट्री कोड +फेन नं. (जकिन भारतम कल कर्त : १४२४ + ९१ + फोन नं.)
अरु थपम जानकारी : फोन नं. १६१८०७०७१११११ अस प्राप्तकर सकब।

१४२४

NEPAL TELECOM
www.ntc.net.np

उल्लेखितम शुल्कम नेपाल सरकारक कर समावेशम नइछो।

समावेशीकरणको दिशामा एउटा फड्को :
गोरखापत्रद्वारा प्रकाशित अवधी भाषा पृष्ठ
•
बि.सं. २०६७ असार २२ गते मङ्गलबार

नयाँ नेपाल

गोरखापत्र

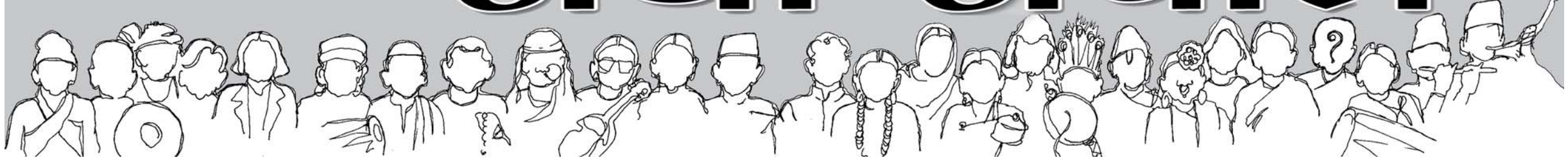

समचार सार

टँगारा प्रहार से घायल

बर्सात के संघरिन बिता हप्ता देउखर मे झगडा बवालव के संख्या मे बढोत्तरी भवा हय। गँगाप्रस्पुर गाविस वाड नं. ९ बाँकी के अवधराम यादवके घर परिवार बीच भवा घरायसी बिवाद हिँसा कय रुप लिहिस अव एकय परिवार कय तीन सदस्य गम्भिर घायल होइगे। अवधराम कय जेष्ठ पुत्र तुलसीराम अव माझिल पुत्र भगवानदिन बीच भवा बिवाद बडवार रुप लिहिस। भाइ भगवानदिन अपने बडा भाइ के उपर टँगारा प्रहार कइकय घायल कइदिहिन। अइसय खिचातानी मे घर कय अन्य दुइ परिवार का काफी चोट लागि हय। शिर मे बडवार घाव होयक नाते डाक्टरलोग तुलसिराम कय अवस्था नाजुक रहा बताईन हय। ओहर घर छोडिकय भागि गय भगवानदिन यादव कय खोजी कार्य जारी रहा इलाका प्रहरी कार्यालय गढवा बताइस हय।

खेलप्रेमी युवाद्वारा आत्महत्या

दक्षिण अफ्रिका मे जारी विश्वकप फुटबल प्रतियोगिता के एक प्रतिस्पर्धामे नेदरलैंड से ब्राजिल पराजित होइगा। आपन बडवार समर्थन रहा देश ब्राजिल का खेलमे हारल देखिकय एक युवा रोड पे गाडी के नीचे आईकय आत्माहत्या कइलिहिन हय।

माओबादी कय हडताल

स्थानिय प्रशासनसे , कुछ दिन आगे मारिगे अपने एक कार्यकर्ता के अभियूक्त का यथासिघ्र पकडि कय कारवाही आगे बढावयक माग करतय कपिलवस्तु जिला मे एनेकपा माओबादी बिता असाढ २० गते २ घन्टा चककाजाम कय कार्यक्रम किहिस हय। जव अभियूक्त का नाय पकडा गा तव यही असाढ २२ गते बन्द कय आयोजन करयक कार्यक्रम रहा बतावा गा हय।

रापती समाज कय नवा समिति

गत शनिवार काठमान्डू मे सम्पन्न साधारण सभा से सन्तोष श्रेष्ठ के अध्यक्षता मा रापती समाज कय ११ सदस्सीय नवा कार्य समिति चयन भवा हय। कार्यक्रम कय प्रमुख अतिथि संबैधानिक समिति कय सभापति निलाम्बर आचार्य साधारण सभा का सम्बोधन करतय प्रमुअ तीन राजनितिक दल के सम्बन्ध मे सुधार न आवय तक नव सँविधान निर्माण अव जनआन्दोलन कय उपलब्धी संस्थागत न होयक बात बताइन हय।

समाज कय अध्यक्ष गोपाल बस्नेत के अध्यक्षता मे सम्पन्न कार्यक्रम मे साहित्यकार तथा लेखक मेदनी कुमार केवल कइँहा समाज के तरफ से प्रमुख अतिथि से शाल ओढाए कय अभिनन्दित किहागा रहा।

पृष्ठ संयोजक : विश्वनाथ पाठक
सह संयोजक : भगवान यादव
पत्राचार ठेगाना :
नयाँ नेपाल, गोरखापत्र दैनिक
पो.ब.नं. २३, काठमाडौं

नयाँ नेपाल भोलिको अं सुनुवार र मारवाडी भाषामा प्रकाशित हुनेछ।

अवध मे दहेज प्रथा : अनैतिक, अवांछनीय अव अविवेकपूर्ण हय

– हंसावती कुर्मी

अवध क्षेत्र मा कुवार महिना के करवा चौथ के दिन गउर पय सेनुर चढयक बादि शादी वियाह कय बाति चलय लागत हय। खास कइकय अगहन, माघ, फागुन, बैशाख, जेठ अव असाढ वियाह के प्रमुख महिना माना जात हय। यहि समय समूदाय मा तमाम मेर कय चर्चा परिचर्चा होत हय। कोहि का शिक्षित परिवार मा रिस्ता जोडयक मन रहत हय तव कोहि का अच्छा दाम दहेज मिलय वाले घर मा। अन्ततः चाहे जवन होय यहिके मार मा परत हयँ वियाह योग्य नयुवक लोग। दहेज के कारण अनमेल वियाह होयक नाते बहुतेर कय जीवन तबाह होय गा हय। अव घर परिवार बरबाद होत देखा जात हय। हम यहि प्रसंग उठावा चाहे हन दहेज कय जवन आज समाज मा दिन बदिन बढतय गा हय अव समाज का बरबाद करतय चला गा हय।

विटिया के पयदाइस का उनके अभिभावक लोग बोझ मानि लेंत हय अव दुर्भाग्य के सूचना के रुप मा ग्रहण कयलेत हयँ। अइसन अनिच्छित सन्तान अपने अभिभावक कय सच्चा वात्सल्य से बन्चित रही जात हिं। बाति बाति पय लडिका के तुलना मा हिनता कय अनुभव करयक पडत हय। सवाभिमान के भावना पय परग परग पर ठेस लागत हय जउने से उनमा हनिता कय ग्रन्थी बनि जात हय जवन बादिमा जायक मानसिक दृष्टि मा पिछडि कय एक डरपोक जेस बनि जात हिं। कउनव साहसपूर्ण कदम उठावयक या हिम्मतवाली बाति सोंचव ठाके खातिर आसमान कय तरई तुरिकय लाइब बरार होय जात हय। उपेक्षा कय, अपने अबा.छनीय एवं अनावश्यक व्यक्तित्व कय जब उनका ज्ञान होत हय तब निराश अव हारल मनः स्थिति लइकय दिन गुजारय लागत हिं। आशा अव उत्साह कय अवसर सामने आये पय भी समाज मा अधिका.श लडकिन कय यहिमेरर कय मनोवैज्ञानिक स्थिति हय। अइसन मानसिक अवस्था लइकय पलबिढी लडकी कय जब वियाह कय समय होत हय तब तरह तरह कय मानसिक आघात लागय लागत हय। अभिभावक लोग कय भाग दोड, लडके वालेन कय मनाही, दहेज कय लम्बा चौडा माग, वतना व्यवस्था न होयक कारन निराशाजनक वातावरण/माहोल मा जब घर परिवार का ग्रसित , दुखित देखिकय जब अनुभव करत हिं कि यी सब हमरहिन कारण होय तब स्वभावतः मनय मन बहुत दुःख होत हय उनका। लकिन लोक लाज बश कुछ नाय कई पावत हिं। अइसय भितरय भितर घुलत रहत हिं। लडके वाले देखय आवत हयँ अव नाक-नक्शा मा , रंग रुप मा वर कय तुलना न कई पावयक बाति करतय इनकार कइकय चला जात हयँ। सयान लडकी का यहिसे अपना का तिरस्कार कीन गा महशुश होत हय। लकिन यय विवशता पर खिन्न एवं उदास बनी रहत हिं। जवन लोग महतारी बाप कय सारा खुन चुसिकय आपन दहेज एवं धूमधाम कय हविस पूरा करत हय, उनके निष्ठुरता के प्रतिम नय मन घृणा कय बीजाकुंर होय जात हय। आखिर उनहु लोग तव मनुष्य होंय न। उनके भितर भी तव समझ बुझ हय। जीवन समर्पण से केहुका प्रसन्न न कईकय केवल धन के बुते खाली केहुके घर प्रवेश करय तव यहिसे,ज्यादा निष्ठुरता एवं कृतघ्नता आउर का होय सकत हय ? विवशता मे ससुरारि तव जात हि लकिन मन मा घृण अव रोष भी साथ लइकय ,जवन समय समय पर चोट लगतय घाव मा होय वाला टीस जेस बसन कय उभरि आवत हय। समाज मा नव वधु का अकसर चिडचिडी, जिद्दी, असन्तुष्ट, खिन्न अव विद्रोह के स्थिति मा देखा जात हय। यहिकय मूल कारण उनके मन मे जमा रहा घृणा होय जवन उनके पिता कय घर अपने लोभ अव अहंकार के पूर्ति के खातिर बरबाद कय डारयक नाते उत्पन्न भा हय। घृणा कय यिबा जीवन भर जमा रहत हय जउने से वय सासससुर , यहाँ तक कि अपने पति का भी सच्चा सम्मान नाय दई पावत हिं, देखावटी शिष्टाचार कय बाति दुसर हय। जब मन मे घृणा भरा होय तव बहरे कय लीपा पोती से ऊ श्रद्धा अव सेवा नाही झलक सकत हय जवन स्वर्ग जइसन वातावरण उत्पन्न करय अव अमृत जइसन रस भरि जाय। दहेज के लालची लोग अपने तनिक भर लोभ,स्वार्थ अव अहंकार कय पूर्ति तव कई लेंत हय, लकिन भुलाय जात हयँ कि वय यकरे बदला मा कहुँ केतना कडुवा विषबीज बोवत हय अव लडकी के , महतारी बाप के मन मे अपने ओछेपन अव दुष्टता कय केतना खराब अव गहिर छाप छोडत हयँ कहिकय। अइसन पैसा कउने काम कय जउने से बधु तथा उनके अभिभावक जीवन भर द्वेष अव घृणा दिल मे छिपाये जिन्दगी जिययक मजबूर होय जायँ। यी कुचक्र लउटि कय अपनेन उप्पर मेडरात हय। जे दहेज के कोलहु मा दुसरेक पेरत हय, उन्हु का अबेर सबेर पेरय वाले मिल जात हयँ। समय आये पय उन्हु कय वइसनय दुर्गति होत हय। जइसय वय दुसरेक बनाइन रहा।

प्रायः हर गृहस्थ के हियाँ विटियय रहत हिं। अपने बेटवा के वियाह के समय पय जवन दुष्टता दुसरेक साथ किहिन रहा , वहिकय दण्ड उनका जब विटिया कय वियाह करत के दुसर से उत्पीडन मिलत हय तब जायक आँख खुलत हय। तब पता चलत हय की कुकर्म कय दण्डव मिलयक व्यवस्था संसार मा हय कहिकय। अपने लडके के समयप जब अहंकार मा डुबा बाघ बनि कय घुमत रहें , उन्ही का जब अपने विटिया के वियाहेक समयप छगडी बनिकय मिमियायक खातिर विवश होयक परत हय। तब जायक प्रतीत होत हय , आदमी केतना ओछा अव बेपेंदी कय हय। उनकय मुह कोई भी बन्द कई देत हय कि अपने लडके के समयपदुसरेक खुन तव चुसेव अब आपन जेब खाली करयक भवा तव काहे कतरात हव ? तब उनके पास कउनव मेर कय उत्तर नाही रहि जात हय। अवव सब ओरसे सहनुभूति पावयक नाते हारल जुवाडी जेस चारो ओर उपहास अव व्यंग्य कय कटुवचन सुनयक परत हय। उनकय परेशानी देखिकय लोग चुटकी लेत हयँ। जे दुसरेक लुटिस हय वहिका आउर व्याज सहित लुटावयक परय , आउर तंग होयक परय मनय मन कहत हयँ। जेकरे चाप्लुसी पर अधिक दाम महेज कय माग किहिन रहा , बरात, आतिशबाजी, भोजभात, बाजागाजा, नेगचार, अलन चलन मा खर्चा किहिन रहा , उहव उनका सहयोग नाय करत हय ,दुस्रे ओर मुह फेरि कय चला जात हय।

जवन पैसा या समान दहेज के रुप मा लिन जात हय। ऊ एक प्रकार से बेकार चला जात हय। बहुत अइसन रहत हय कि कबाडखाना जइसय घर मा परा रहत हय। कुछ चिज बाँटि दिन जात हय। तव कुछ टुटि फुटि जात हय। नगद पैसा प्रायः जेवर, कपडा, भोजभात, आतिशबाजी, नाचबाजा, नेगचार अव केतना छिटफुट रि र्दद होत हय जउने मा खर्च होय जात हय। यी कुलि कय हिसाब करा जाय तव लडके वाले कुछ नाफा मे नाय रहत हयँ। खाली बचत हय दुल्हिन करति बनाय गा जेवर अव महंगा किमती साडी, जवन खास कहा जाय तव अनुत्पादक पूँजी बनि कय सिमटि जात हय। जेवर रोज खिसत टुटत जात हय अव किम्ती कपडा रोज केहु पहिरत नाय हय, प्राय बक्सा मा बन्द रहत हय। अइसन पूँजी से घर कय प्रगथि या समवृद्धि मे कोई सहयोग नाय मिलत हय। बन्द कपडा किरा कय खुराक बनत हय। अन्ततः लाभ यहिकय प्रतिक्रिया यतना खराब कि कुछ लाभ नाही, यी बाति आदमी के दिमाग पय बइठ जाय तव वहिका दहेज लइकय धूमधाम से मूर्खता करयक चर्चा भी न करयक उचित प्रतीत होय।

कउनव जमाना रहा जब धूमधाम से शादी कयकय लोग अपने अमिरी कय प्रर्दशन करत रहें लकिन अब समाजबाद, साम्यबाद कय बयार चलय लाग हय। धनी अव अमिर लोग का आम जन समुदाय न जानय केतना कटु शब्द प्रयोग कयकय ताना मारत हयँ। अइसन जानि कय भी अबकोई अमिरी कय बचकाना प्रदर्शन करय तव समझदार व्यक्ति उनके विरुद्ध तरह तरह कय लांछना लगावत हय। चाहे ऊ धुमधाम कर्जा लयकय काहे न कई गा होय, लकिन करय वाले केवत भर्त्सना कय पात्र मात्र बनि कय रहि जात हयँ। अब ऊ जमाना चला गय , जब कोई अमिरी कय नाटक करय वाले प्रशंसा अव प्रतिष्ठा पावत रहें। अब तव उनके खातिर घृणा, तिरस्कार, व्यंग्य, अल्लोक अव उपहास सिरिफ मिलत हय, आउर कुछ नाय। वैयक्तिक अव सामाजिक जीवन मा अनेक उपयोगी कार्य पैसा के विना रुका रहत हय तब अइसन पैसा कय फगुवा खेलब का कवन बुद्धिमत्ता कहय ? अइसन आचरण कय के सरहना अव समर्थन करी ?

वियाह मा खर्च करय वाला धन घरेलु उद्योग, पशुपालन,बागवानी, कृषि, पबिहन आदि कार्य मा लगाये से पूँजी बढी सकत हय। अगर केहुका दानय करयक होय तव शिक्षा के खातिर दान कईकय कउनव बच्चा कय भविष्य अजोर कई सका जात हय। यदि यी बर्बवादी रुकी जाय तव कुछय दिन मा अवध क्षेत्र कय शैक्षिक अव आर्थिक प्रगति बहुत द्रुत गति से आगे बढी सकत हय।

यतना बडा अर्थ शक्ति हमरे सर्वथा रिर्थक वियाहान्माद जइसन मूखृता पूर्ण काम मा खर्चा करा जात हय। अव दिन ब दिन अनेक प्रकार सामाजिक समस्या पयदा करय मा सहायक बना जात हय। बरात जायक ठाटबाट कय कपडा तइयार करवावत हया तव महिला लोय सजधज कय तइयारी करत हिं। जउने मा निरर्थक पाल्तु खरिदारी होत हय ,काम छुटय जउने से उत्पादन घटत हय। नेगचार, उपहार व्यवहार अव अलनचलन कय खर्चा जोडा जाय तव शिर से उप्पर चला जात हय। यि आर्थिक बरबादी हम्मन के समाज का हरदम गरीब बनाये रहत हय। जवन पैसा उत्पान नाय करत , उत्पादन कय बढावा नाय होत हय, ऊ अर्थशास्त्र के दृष्टि से बरबादी के गणित मे राखा जाई अव धन कय बरबादी से बेरोजगारी एवं गरीबी कय वृद्धि तव होबय करी। अपने समाज कय एक एक पैसा कय बचत करयक चाही अव अइसन उपयोगी काम लगावयक चाही कि जउने से उत्पादन बढय, लोग का काम मिलय अव आम्दानी बढय। शादी वियाह मा होय वाला धन कय बरबादीका रोकि कय उत्पादन मूलक कार्य मा लगावयक व्यवस्था होय जाय तव समाज अपनेन सम्पन्न अव सम्वृद्ध होय जाई कि विकास के खातिर सरकार कय मुह ताकयक नाय परी। अतः अइसन शुभ काम के खातिर आजय से अपनेन से शुरु करा जाय अव समाज का विवाहोन्माद से पिण्ड छुटावा जाय। दहेज जइसन अनैतिक, असामाजिक अव अवांछनीय कुरीति से मुक्त करय मा सहायक बना जाय। ■

खइखार होत गवा हय अवध क्षेत्र कय जंगल

भगवान चिराग

"बन का जायो पात न तुर्यो न बृक्षा सन्तायो
पात(पात मे राम बसत हँय
उनहिक शिश नवायो, अपने राम का
मनायो .....'

कउनव समय उपर लिखा गित अवधी समाज के अपने हृदय कय लोकोद्गार रहा। माई बाप अपने नादान बच्चेन का सम्झावत रहे अव कहत रहे कि जंगल मे जात के कउनव बृक्षा का न सतायो काहे से पात पात पे राम बसत हँय, वहि जगह पे माथ नवायो। पूर्खालोग भगवान राम का आर्दश मानत रहे, राम का आत्मा मानत रहे, अव पात पात मे राम रुपी आत्मा रहयक नाते वय आत्मा के रक्षा करती बच्चेन का उपदेश दियत रहे। यी जेतनय आध्यात्मिक बात रहा वतनय दार्शनिक अव बैज्ञानिक भि। आज के बदलत जलवायु परिवर्तनके यहि घडी मे अवधी गीत के यय उद्गार कय महत्व काफी बढि गा हय।

आज पूरे देश मे बन खइखारिकरण कय अभियान चला हय। अइसन मे अवध क्षेत्र अपबाद नाय होई सकत हय। तराई मधेस के बडवार क्षेत्रमे रहा अवधी भूभाग कय बनजंगल यतनाघरी हना कटान के चपेटा मे परा हय। कउनव समय एक जने बिद्वान भारत के पुलिस प्रशासन का लइकय कमेन्ट किहिन रहा अव कहिन रहा कि भारतबर्षमे सब से बडा गुण्डागर्दि या संगठित गुण्डागर्दि पुलिस से होत आवा हय। अगर उनके स्टेटमन्ट कय सहारा लिययक होय तव यी कहब गलत नाय होयक चाहत हय कि नेपाल के अवध क्षेत्रमा बन खइखारिकरण कय जिम्मा संगठित सामुदायिक बनलोग लिहे हँय। सामुदायिक बन के पदाधिकारीलोग कय जवने मेर निर्वाचन अव चयन होत आवा देखान हय, वहसे स्पस्ट होत हय कि यय लोग हिँया बन काटि कय पइसा कमाय आये पहाडिया लोग ढेर हँय।

पहाड से मधेस मे उतरे पहाडिया लोगका पुरान बनपतवार से कउनव मोहब्बत नाय देखान अव सामुदायिक बनके आड मे एक के बाद एक बडा बडा पँड कटानि होत चला गा। अवध समाज कय नवा लडके बन कटानि का कमाई कय अच्छा श्रोत देखय लागे अव उनहु लोग बन खइखारिकरण के यहि मुहिम मे सामिल होइगे। वयलोग अपने पूरखा कय ू बन का जायो पात न तुर्यो न बृक्षा सन्तायो

पात(पात मे राम बसत हँय
उनहिक शिश नवायो, अपने राम का
मनायो , ू वाली बात भुलाय गये। देखाजाय यी सामुदायिक बन कय

अवधारण काहे लावागा रहा।

बाढि अरारि जइसन प्राकृतिक प्रकोप से होय वाला क्षति कम करय करती बनजँगल कय बडवारय भुमिका होत हय। यतनय केवल नाय .....हमसब के बहुतय समुदाय खाद्यान्न, ईन्धन, घाँस पात जइसन तमाम चिज करती प्रत्यक्ष रुप मा बन मा आश्रीत रहत हयँ। सरकारी तथ्याङ्क अनुसार हमसब के देश के तिस प्रतिशत जमिन मा बन जँगल हय। बकिर बढिया गुणस्तर कय अव बडवार पेंड, जैविक बिबिधता भवा जँगल हिँया केवल देशके १० प्रतिशत जेतना भुभाग मा मात्र सिमित हय। दुशरे ओर बिता कुछ दशक से जँगल नाश करय वाला काम भी बहुतय बढा हय। ४६/४७ साल से ६१/६२ साल तक के पन्ध्र बर्ष मा मात्र कुल बनजंगल कय २५ प्रतिशत नाश होइ चुका रहा। यी बन विनास के कारन पानी कय गुणस्तर घट्य, भुक्षय बढ्य, उर्वराशक्ती घटत जाय जइसन तमाम प्रभाव देखाय लाग।

यय समस्या का सम्वोधन करय खातिर सरकार वन बचावय करती अव स्थानिय आदमी कय जिवनस्तर उपर उठावयक उद्देश्य से समुदाय मा आधारित बन कय दिगो ब्यवस्थापन कार्यक्रम सँचालन मा लाइस रहा। कबुलियती बन समुदाय मा आधारित बन ब्यवस्थापन कय एकठव स्वरुप होय। यी बहुत गरिव लोग का लक्ष्यित कइकय लायगा कार्यक्रम होय। हमलोग के देशमा, कवुलियती बन कार्यक्रम आज से १८ बर्ष आगे से लागू भवा हय। वय समय मा अति विपन्न बर्ग कय ११ हजार परिवार सँलग्न रहे , १६ सय समुह का कमसल किसिम कय बन वितरण किहागा रहा। बकिर कम समय मा उ बन देखय लायक कय होइगा। समुदायमा पशुपालन बढा , खाद्यान्न अभाव कम होय लाग अव तिन बर्ष के अबधि मा छगडी बकडी दुध तथा घाँस बिक्कितरण कइकय वय समुदाय कय आदमी लोग नगद आम्दानी करय लागे। यतनाघरी सँयुक्त राष्ट्रसँघ कय खाद्यान्न तथा कृषि सँगठन अव कृषी बिकास के खातिर अन्तराष्ट्रिय कोष के सहयोग मा कबुलियती बन कार्यक्रम २२ जिल्ला मा फैइला हय अव छत्तिस हजार से बहुतय अति विपन्न वर्ग कय परिवार यहिमा सँलग्न हय। साँचयवाली बात यी हय कि मधस के जिलामा यी कार्यक्रम नाय लागु भवा।

बन सँरक्षण करय अव समुदाय कय आम्दानी बढावयक उदेश्य से सँचालित समुदाय मा आधारित बन ब्यवस्थापन कय दुशर स्वरुप कहल सामुदायिक बन होय। स्थानिय समुदाय के हित के खातिर सरकारी बन कय स्वामित्व स्थानिय समुदाय का ही हस्तान्तरण किहा जाय वाला यी कार्यक्रम कबुलियती बन कार्यक्रम लम्मा समय से सँचालन मा हय। यय कार्यक्रम अन्तरगत दशलाख हेक्टर से फादिल बन, उपभोक्ता समिती का हस्तान्तरण कयचुका गा हय। बकिर यी कार्यक्रम कबुलियती बन नेहाइत अति विपन्न बर्ग मा मात्र लक्ष्यित नाय हय। यी सामुदायिक बन जिम्मेवार न होयक नाते एक ओर बन बिनास बढा हय तव दुशरे ओर राजनितिक प्रभाव बन खइखारिकरण बढाये हय। यदि सामुदायिक बन बनखइखारिकरण कय कानुनी रास्ता होय तव राजनितिक दल खास कइकय माओबादी कय योजनाबद्ध तरिका कय बनकटान अवध क्षेत्र के बन का बिनास करयवाला आधार होय। सिधा सादा, अहिँसाप्रिय अवधी समाज अपनेन आगे आपन सम्पूर्ण बन कय बिनास मूक दर्शक होइकय देखयक मजबूर हँय। ■

सुरक्षित विदेश गमनः एक जानकारी

श्रम तथा रोजगार प्रबर्द्धन विभाग कय तथ्यांकका आधार मानयक होय तव यतना समय करिब २० लाख जेतना भाइबहिनलोग वैदशिक रोजगार मा हयं। अव वयलोग बर्षकय २ खर्बसे ज्यादा पैसा रेमिट्यान्स के रुपमा नेपाल भितर लावत हय। अव यी हमरे देशकय जम्मा कमाईकय, अर्थात कुल ग्रार्हस्थ उत्पादन कय १८ प्रतिशत होय।

एकओर वैदेशिक रोजगारी मा जायवालेन से पठायगा पइसा से देश कय अर्थतन्त्र थामहयक बडा सहयोग करे हय तव दुसरे ओर यहि कारण से रोजदिन विभिन्न सामाजिक समस्या देखाय लाग हय। परिवारिक खिचखिच, असुरक्षा, अनियन्त्रित बसाँई सराई, एचआईभी यहकय कुछ उदाहरण होय।

खासकइकय, महिला तथा अभिलेख न राखि कय दलाल मार्फत भारत कय रस्ता होतय बैदेशिक रोजगार मा जायवाले व्यक्तिलोग का चुकवयक परा सामाजिक मुल्य तुलनात्मक रुपमा बडा हय। खाडी मुलुक से नेपाल लउटे ज्यादा महिला लोग निराशा, कुण्ठा, उदाशी जइसन मानसिक समस्या कय शिकार भवा मिला हय तव विभिन्न तथ्यांक के अनुसार ३३ प्रतिशत महिला केवल खाडी मुलुकसे सकुसल अव स्वस्थ अवस्थामा नेपाल लउटत हिय। अइसय कानुनी ढंगसे भारत कय रस्ता होतय बैदेशिक रोजगार मा गएसे दलालसे ठगजायक , तलब नपावयक, अमानबिय ब्यवहार कय शिकार हुवयक तथा शारिरिक शोषण मा परयक जइसन घटना कय संख्या भि बढतय गा हय। लकिन अबहि बैदेशकि रोजगार मा जायवाले तथा उनके परिवार का मानसिक तनाव नहोय अव अइसन ठगिमा परयक नपरय कहिकय नेपाल सरकार अन्तराष्ट्रिय आप्रवासी संगठन आईओएम के सहयोग मा आप्रवासी श्रोत केन्द्र कय स्थापना करे हय। यी केन्द बैदेशिक रोजगार मा जायवाले ब्यक्ति तथा उनके परिवार का परामर्श दियय , चाहा आवश्यक सुचना अव जानकारी ईमेल तथा फोन मार्फत उपलब्ध करावये, लउटकय आये कामदार का स्वास्थ्य के बारेमा जानकारी दियय जइसन काम करत हय।

हुयक तव वैदेशिक रोजगारी मा गएसे आवय वाला जोखिम अव वहकय असर कम करय कहिकय नेपाल सरकार श्रम आप्रवासन नीति बनावत हय। हाली ही लागु हुवयक आशा किहागा यी नीति मा विदेशमा कामके सिलसिलामा दुर्घटना होइकय अंगभंग भएसे, एचआईभि/एड्स जइसन रोगसे संक्रमित भएसे वा मृत्यु होय तब्बो वइसन कामदारके खतिर विमाकय व्यवस्था करयवाला बात समेटा हय। यकरे अलावा , वैदेशिक रोजगार मा जायवाले कामदार लोगके परिवार करती शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास जइसन बात मा कार्यक्रम सञ्चालन करयक, श्रम आप्रवास के कारणसे हुवयवाला सामाजिक अव पारिवारिक विखण्डन कय जोखिम कम करयक सचेतना, मनोसामाजिक परामर्श अव सामाजिक सुरक्षासम्बन्धी कार्यक्रम लावयवाला बात यी प्रस्तावित नीति मा हय।

लकिन वैदेशिक रोजगारी से आवयवाला सामाजिक समस्या समाधान करयक स्थानिय तहमा का कइ सकाजाइ ?

सँवलिया

संकलक प्रियँका यादव
गायक शान्ति यादव

गलिया गलिया घुमय नेटुकवा
कोई सावन गोदना गोदावव रे साँवलिया
अपने महलिया से बोलयँ रे ननदिया
हम सावन गोदना गोदाइब रे सँवलिया

भरी भरी बहिँया भउजी गोदना गोदावयँ
छतिया गोदावयँ दूई मजोर रे सँवलिया

कि नेटुका लेबव सँउवा रे कोदउवा
कि करबव जेवना जेँवनार रे सँवलिया
नाही लेबय रनिया सँउवा रे कोदउवा
नाही जेँइबय जेँवनार रे संवलिया
हम लेबय ननदी तोहार रे सँवलिया

हरु जोति आये, कुदरवा गोडि आये
बइठे हँय मथवा नवाय रे संवलिया
मइया, भइया देखेन, रनिवा कइहाँ देखेन
बहिनी नजरिया न आवय रे सँवलिया

तोहरे रनिवा भइया गोदना गोदावयँ
बहिनी का दिययँ गोदनक दाम रे सँवलिया

देहु न रनिया डेलाभरि सोनवा
बहिनी का देहु लउटार रे सँवलिया
लेहु न नेटुका डेला भरि सोनवा
बहिनी का देहु लउटाय रे संवलिया

सेज मेरे सोइन, जूठा मोरे खाईन
कइसय जईहँय बहिनी तोहार रे सँवलिया
कइसय जईहँय बहिनी तोहार रे सँवलिया

गजल

कइसय हम खइबय खाना ईद के दिन मा
कइसय हम गइबय गाना ईदके दिन मा
भूखे पियासे सब बच्चे गाँव मइहाँ रोँवय
कइसय हम पहिरबय बाना ईद के दिन मा
संझा, सनेर हर पहर डरपाँक हँय लोग
नाही देखाय एक्कव थाना ईद के दिन मा
मोलबी, मुल्ला फितरा, जकात माँगिकय डाहँय
कहाँ पइबय अतना दाना ईद के दिन मा
केतनी झोपडी अँधेर केतने देही कपडानदार
कइसय हम देवय शुभकामना ईद के दिन मा

इद्रिस सायल